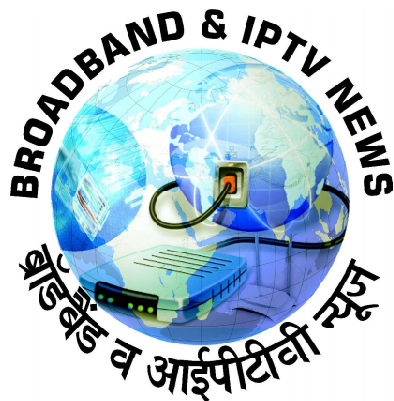




GOVT MULLS CBFC CERTIFICATION

The Indian government is evaluating amendments to the IT Rules, 2021, to bring films releasing directly on OTT platforms under mandatory Central Board of Film Certification (CBFC) approval.

The proposal follows public friction surrounding the digital premiere of the film Satluj. Currently, direct-to-digital films operate under self-regulation frameworks rather than formal CBFC certification required for theatrical releases.



PRASAR BHARATI DRIVES AI ADOPTION

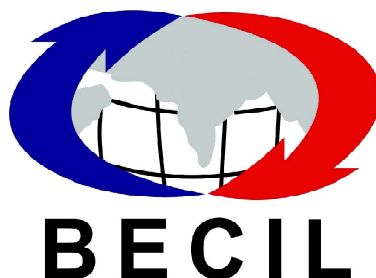
Public broadcaster Prasar Bharati has initiated a comprehensive AI training program for officials across Doordarshan and All India Radio (AIR). The three-day initiative focuses on integrating generative AI, prompt engineering, and data analytics into newsroom workflows, archive management, content creation, and administrative operations.



DOT'S TEC AND BECIL PARTNER ON D2M & 5G BROADCAST STANDARDS

The Telecommunication Engineering Centre (TEC) and Broadcast Engineering Consultants India Limited (BECIL) have signed an MoU to develop standardized frameworks for Direct-to-Mobile (D2M), IPTV, and 5G Broadcast technologies.

The partnership aims to establish national standards and testing guidelines for delivering live TV and multimedia directly to mobile devices without consuming mobile data, while also collaborating on Digital Rights Management (DRM) and Conditional Access Systems (CAS). ■



सरकार सीबीएफसी सर्टिफिकेशन पर विचार कर रही है

भारत सरकार आईटी नियम 2021 में बदलावों पर विचार कर रही है ताकि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सीधे रिलीज होने वाली फिल्मों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) की मंजूरी लेना जरूरी बनाया जा सके।

यह प्रस्ताव फिल्म 'सतलुज' के डिजिटल प्रीमियर को लेकर हुए विवाद के बाद आया है। अभी, सीधे डिजिटल पर रिलीज होने वाली फिल्में 'सेल्फ रेगुलेशन' के तहत काम करती हैं, न कि सीबीएफसी सर्टिफिकेशन के तहत।

एआई को अपना रही है प्रसार भारती

सार्वजनिक प्रसारक प्रसार भारती ने दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) के अधिकारियों के लिए व्यापक एआई ट्रेनिंग कार्यक्रम शुरू किया है। तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम का मकसद न्यूजरूम में काम-काज, आर्काइव मैनेजमेंट, कंटेंट बनाने और प्रशासनिक कामों में जेनरेटिव एआई, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और डेटा

एनालिटिक्स को शामिल करना है।

डी2एम और 5जी प्रसारण मानक के लिए साझेदारी की डॉट के टीईसी और बीईसीआईएल ने

दूरसंचार इंजीनियरिंग सेंटर (टीईसी) और ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) ने डॉयरेक्ट-टू-मोबाइल (डी2एम), आईपीटीवी और 5जी प्रसारण तकनीकी के लिए मानक फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए एक एमओयू पर साइन किया है।

इस साझेदारी का मकसद मोबाइल डेटा खर्च किये बिना सीधे मोबाइल उपकरण पर लाइव टीवी और मल्टीमीडिया पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय मानक और परीक्षण दिशा-निर्देश बनाना है। इसमें डिजिटल राइट्स मैनेजमेंट (डीआरएम) और कंडीशनल एक्सेस सिस्टम (सीएस) पर भी मिलकर काम किया जायेगा। ■